International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 14 Issue 5, September-October, 2026

# विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण का समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंध

डॉ. संतोष कुमार शर्मा[1], डॉ. उज्जवला भोसले[2]

[1,2]सहायक प्राध्यापक, श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, भिलाई

## भूमिका

विद्यार्थी एवं शिक्षा का आपस में गहरा एवं घनिष्ठ संबंध होता है। जीवन में सफलता प्राप्त करने और कुछ अलग करने के लिए शिक्षा सभी के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन है। यह हमें जीवन के कठिन समय में चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है। सीखने की पूरी प्रक्रिया के दौरान प्राप्त ज्ञान हम सभी को और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के प्रति आत्मनिर्भर बनाता है। यह जीवन में बेहतर संभावनाओं को प्राप्त करने के अवसरों के लिए विभिन्न द्वार खोलता है जिससे बालक के शैक्षिक भविष्य के विकास को बढ़ावा मिलता है। हम सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा एक बहुत ही आवश्यक उपकरण है। हम इस उपकरण का उपयोग करके अपने जीवन में कुछ भी अच्छा हासिल कर सकते हैं। उच्च स्तर की शिक्षा लोगों को सामाजिक और पारिवारिक सम्मान और एक अलग पहचान बनाने में मदद करती है। शिक्षा का समय, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय है, यही कारण है कि शिक्षा हमारे जीवन में इतना महत्व रखती है। शिक्षा का अर्थ है, दैनिक जीवन में लागू होने वाले विविध विषयों का गहन ज्ञान और समझ प्राप्त करने के लिए अध्ययन करना। शिक्षा केवल किताबों से प्राप्त ज्ञान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कक्षा के बाहर व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से भी प्राप्त की जा सकती है।

**समस्या**

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण का समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंधों का अध्ययन

**उद्देष्यः**

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु निम्न उद्देश्यों का निर्माण किया गया–

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण का उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंधों का अध्ययन करना।

**परिकल्पनाः**

प्रस्तुत लघु शोध में निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गयाः–

- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है ।
- उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है ।
- उच्च माध्यमिक स्तर के छात्राओं के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है ।

**अध्ययन की परिसीमाः**

- प्रस्तुत अध्ययन में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालीत शासकीय विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया है।

- अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालीत शासकीय विद्यालयों की नवमीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।
- अध्ययन हेतु शासकीय विद्यालयों की नवमीं कक्षा में अध्ययनरत हिन्दी माध्यम के 100 विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।
- प्रस्तुत अध्ययन में डॉ. आर. के. सारस्वत द्वारा निर्मित आत्म संकल्पना मापनी, डॉ. ए. के. सिंह एवं डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित आत्म नियंत्रण मापनी तथा डॉ. एल. एन. दुबे द्वारा निर्मित समस्या समाधान योग्यता मापनी का उपयोग किया गया है।

**न्यादर्शः**

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में शालेय वातावरण एवं विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन हेतु विद्यालय के कक्षा 9 वीं के 100 विद्यार्थियों का चयन किया है। जिनमें क्रमशः 50–50 छात्र और छात्राओं का चयन यादृच्छिक स्तरीकृत विधि से किया है।

**शोध अभिकल्प**

**चर–**

स्वतंत्र चर–आत्म नियंत्रण ;आयाम एवं लिंग

आश्रित चर– समस्या समाधान योग्यता

## निष्कर्षः

H01 . उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है ।

(r= 0.527 ए df = 198 , p< 0.01)

निष्कर्षः परिकल्पना H01 अस्वीकृत होती है अर्थात् . उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंध पाया जाता है।

H02 . उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है।

(r= 0.432, df = 98 , p < 0.01)

निष्कर्षः परिकल्पना H02 अस्वीकृत होती है अर्थात उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंध पाया जाता है।

H03 . उच्च माध्यमिक स्तर के छात्राओं के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है ।

(r= 0.612, df = 98 , p < 0.01)

निष्कर्षः परिकल्पना H03 अस्वीकृत होती है अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर के छात्राओं के आत्म नियंत्रण एवं उनकी समस्या समाधान योग्यता के मध्य संबंध पाया जाता है ।

## सुझावः

इस शोध–प्रबंध से प्राप्त निष्कर्षो के आधार पर विद्यार्थियों में उत्कृष्टता लाने के लिये जा सकते हैं।

- विद्यार्थी के समक्ष किसी प्रकार की समस्या उपस्थित नहीं होने देनी चाहिये।
- विद्यार्थी को निराशा और असफलताओं का सामना करने के लिये प्रशिक्षण दिया जाना चाहिये।
- शारीरिक, मानसिक दोषयुक्त विद्यार्थियों का पर्याप्त उपचार हो और उसकी शिक्षा की उपयुक्त व्यवस्था होनी चाहिये।
- प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की विशेष शिक्षा एवं दीक्षा का प्रबन्ध होना चाहिये।

- पिछड़े विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति एवं विशेष कक्षाओं की सुविधा होनी चाहिये।
- एकान्तप्रिय एवं शर्मीले विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रवेश दिलाकर प्रशंसा के द्वारा सामान्य बनाना चाहिये।
- विद्यालयों में मार्ग निर्देशन की व्यवस्था हो जिससे वे वैयक्तिक, शैक्षिक तथा व्यावसायिक चिन्ताओं का सही समाधान कर सकें।
- कक्षा के वातावरण में आपसी तनाव को प्रेम तथा सौहार्द्र के साथ दूर करना चाहिये।
- विद्यालय का वातावरण परिवार जैसा होना चाहिये ताकि वे संघर्ष से बच सके।
- विद्यार्थियों के जीवन का उद्देश्य और वे भविष्य में क्या बनेंगे बता देना चाहिये? जिससे उनके मन से असुरक्षा की भावना निकल सके।
- परिवार एवं विद्यालयों में विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुरूप कुछ अतिरिक्त कार्य सौंपे जाऐं जिससे उनमें उत्तरदायित्व, आत्म नियंत्रण, समस्या समाधान योग्यता एवं नैतिकता जैसे गुणों का विकास होगा ।
- शाला में शिक्षक अभिभावक सभा का आयोजन होना चाहिए ,ऐसी सभाओं में शिक्षकों को छात्रों की सामान्य समस्या एवं विशिष्ट समस्या दोनों पर विशेष रूप से विचार विमर्श करना चाहिए।

## संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Asep Agung Judistira, Hariz EnggarWijaya (2017). The Role of Self-Control and Self-Adjustment on Academic Achievement Among Junior High School Students; Advances in Social Science, Education and Humanities Research,128(3), 122-125
2. Asokan, M. & Muthumanickam, R. (2013). A study on student's self-control in relation to assertiveness behavior. *International Journal of Teacher Educational Research*, 1(3), 1-121.
3. Bhat, M. (2014). Effect of Problem Solving Ability on Achievement in Mathematics of High School Students. *Indian Journal of Applied Research*, 4(8), 685-688.
4. Bhuyan (2009). Problem solving ability of children of non-formal education centers and formal primary. *Indian Journal of Psychometry and Education*, 40(1-2), 217-221.
5. Gnanadevan, R. (2006). A Study of Problem Solving Ability of Higher Secondary Students. *Journal of Research and, Reflection on Education*, 4(1), 2-3.
6. Hooda, Madhuri & Ranidevi (2014). Problem Solving Ability: Significance for Adolescents, Scholarly. *Research Journal for Interdisciplinary Studies*, 2(13), 17731778. http://www.aiaer.net/ejournal/vol19107/17.html.
7. Jadhav, S. G. (2015). Self-concept and self-control of adolescent students. *Indian Psychological Review*, 84 (4), 151-156
8. James & Marice. (2005). Gender as an important predictor variable for problem solving ability and significant gender difference in problem solving ability. *Personality and individual differences*, 2(5), 241-252.
9. Jena, P. (2014). Cognitive Styles and Problem Solving Ability of Under Graduate Students. *International Journal of Education and Psychological Research*, 3(2), 71-75.
10. Kumar (2016). A Study of Self Control of Higher Secondary Students. 10.5281/zenodo.155339.
11. Muh. AnugrahAinul Karim1, EndahMastuti (2020). Self-Control on the Effect of Online Games for Students' Academic Achievement--*Palarch's Journal of Archaeology of Egypt/Egyptology* 17(4), 2642-2647.
12. Pandey, R. S. (2009). Problem solving of non-formal education centers and formal primary. *Indian Journal of Psychometry and Education*, 40(1), 81-85.
13. Pandey, R. S. (2010). Problem Solving Ability in Non-Formal Education. *Indian Journal of Psychometry and Education*, 41(1), 58-62.
14. Praveen, K. (2010). Effect of the Problem-Solving Approach on Academic Achievement of Students in Mathematics at the Secondary Level. *Contemporary Issues in Education Research*, 3(3), 9-14.
15. Rani, T. S. (2006). Effectiveness of the synthetic and ploy's heuristic approaches on the acquisition of problem-solving skills in mathematics. . *Edutracks*, 6(1), 35.
16. Rifa Hidayah (2021); Students' Self-Adjustment, Self-Control, and Morality. *Journal of Social Studies Education Research*; 12, (1)

17. Sharma, I. (2007). Problem Solving Ability and Scientific Attitude as determinant of Academic Achievement of Higher Secondary Students. *Journal of Mathematical Education*, 7(4),125 –131.
18. Stanly, S. L. (2014). Problem solving ability of IX standard students in Pondicherry region. *Indian Journal of Applied Research*, 4(2), 2-3.
19. Umadevi, M. R. (2009). A study on the relationship between Problem Solving Ability and Academic Achievement of Secondary School Students. *Journal of Educational Research and extension*, 46(2), 1-9